हरिभूमि (Hari Bhoomi)

दिनाँक (Dated): 11.03.2024	पृष्ठ सं0 (Page No). 15	क्रम सं0(Serial No.) 8

समारोह की तैयारी • केंद्रीय राज्यमंत्री नित्यानंद राय करेंगे उद्घाटन, सारे बड़े अफसर रहेंगे मौजूद, सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होंगे

पहली बार सीआईएसएफ का स्थापना दिवस उतई में कल

सिटी रिपोर्टर| भिलाई

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसफएफ) का 55वां स्थापना दिवस समारोह इस बार उतई भिलाई में आयोजित होने जा रहा है। उतई के रीजनल सेंटर में 12 मार्च को सुबह 8 बजे कार्यक्रम की शुरुआत होगी। परेड की सलामी के अलावा सांस्कृतिक कार्यक्रम और ट्रेनिंग से जुड़े कार्यों को प्रदर्शित किया जाना आयोजन में मुख्य आकर्षण रहेंगे। केंद्रीय राज्यमंत्री नित्यानंद राय इसका उद्घाटन करेंगे। डायरेक्टर जनरल नीना सिंह, स्पेशल डायरेक्टर पीयूष आनंद, एडीजी कुंदन कृष्णनन, जगबीर सिंह सहित अन्य सीआईएसएफ के बड़े अफसर आयोजन में प्रमुख रूप से मौजूद रहेंगे। सीआईएसएफ के श्रीकांत किशोर ने बताया कि यह पहला मौका है जब भिलाई में इस प्रकार से स्थापना समारोह का आयोजन किया जा रहा है।

सीआईएसएफ के अधिकारियों ने आरटीसी उतई में आयोजन को लेकर जानकारी दी।

उतई में आयोजन की तैयारी, पहले दिल्ली में होता था कार्यक्रम

उतई के रीजनल ट्रेनिंग सेंटर में आयोजन को लेकर तैयारी की गई है। श्रीकांत किशोर ने बताया कि पहले स्थापना दिवस समारोह दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों में ही होते थे। पिछले साल हैदराबाद में आयोजन हुआ। इस बार भिलाई को मौका मिला है। भिलाई सीआईएसएफ की प्राथमिकता में हैदराबाद के बाद दूसरे नंबर पर है। भिलाई का सेंटर 1969 में स्थापित हुआ। पहले कुछ समय यह यूपी के मेरठ से ऑपरेट हुआ। 1975 में भिलाई शिफ्ट हुआ। 1971 में बीएसपी में इसकी तैनाती हुई। भिलाई आज एक सेक्टर हेडक्वाटर भी है। छत्तीसगढ़ में सुरक्षा, एयरपोर्टर, थर्मल, स्टील प्लांट, कोयले के माइंस में सीआईएसएफ सुरक्षा प्रदान कर रही है।

जम्मू और श्रीनगर में जेल की सुरक्षा की जिम्मेदारी सीआईएसएफ पर है

विशेष डायरेक्टर जनरल पीयूष आनंद ने बताया कि सीआईएसएफ में महिलाओं की भागीदारी भी बढ़ी है। इसके लिए जम्मू और श्रीनगर जेल की सुरक्षा सीआईएसएफ कर रही है। 2023 में सीआईएसएफ ने 103 लोगों को जान बचाई। बीएसपी में चोरी को लेकर उन्होंने कहा कि कोई भी सामान कैम्पस से बाहर नहीं निकला। स्टोरी बीएसपी के जिम्मे है, सीआईएसएफ के प्रयासों से ही सारा चोरी का सामान मिल पाया। साढ़े 3 साल में महज तीन चोरी की घटना सामने आई। जवानों के आत्महत्या को लेकर उन्होंने कहा कि इस पर भी सीआईएसएफ काम कर रही है। अधिकांश मामले पारिवारिक कलह के हैं। जवानों को चुस्त-दुरुस्त रखने काम किया जा रहा है।

सुरक्षा के साथ फायर सेफ्टी में भी सेवाएं, लोगों की सुरक्षा में भी तैनात

सीआईएसएफ के इस समय छत्तीसगढ़ और एमपी में 10 हजार से ज्यादा जवान पदस्थ हैं। औद्योगिक सुरक्षा के अलावा पब्लिक सुरक्षा में भी सीआईएसएफ योगदान दे रही है। सशस्त्र बल को 1983 में जोड़ा गया। आईएएस ड्यूटी, चुनाव, आंतरिक सुरक्षा, वीआईपी सुरक्षा में भी सीआईएसएफ योगदान दे रही है।
सीआईएसएफ ने 1992 में कंबोडिया में अपनी टुकड़ी भेजी। उसे 1999 में सुरक्षा से जुड़े विषयों में सलाह की अनुमति प्रदान की गई। 2000 में एयरपोर्ट में तैनाती हुई। 68 एयरपोर्ट में इस समय सीआईएसएफ पोस्टेड है। 2007 में दिल्ली मेट्रो की सुरक्षा की जिम्मेदारी मिली। आज प्रतिदिन दिल्ली मेट्रो में 70 लाख लोग सफर कर रहे हैं। 11 प्राइवेट सेक्टर में सीआईएसएफ सेवाएं दे रही है।